ओम शान्ति

मन्सा सेवा के लिए शुभ भावनाओं के मोती

मैं श्रेष्ठ आत्मा परमपिता परमात्मा की छत्रछाया के नीचे बैठकर यह शुभ संकल्प करती हूँ कि...

दिनांकः-

मैं श्रेष्ठ आत्मा बापदादा की छत्रछाया के नीचे बैठकर यह शुभ संकल्प करती हूँ कि..

1. पवित्रता के सागर शिवबाबा प्रकृति के पाँचों तत्व सदा के लिए सतोप्रधान बन जाए।
2. आनन्द के सागर शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सुख, शांति, प्रेम, आनन्द से सदा के लिए तृप्त हो जाए।
3. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माओं के दुःख-दर्द और अनेक प्रकार की बीमारियाँ सदा के लिए समाप्त हो जाए।
4. भक्तों के रक्षक शिवबाबा संसार की समस्त भक्त आत्माओं की शुद्ध मनोकामनाएँ सदा के लिए पूर्ण हो जाए।
5. प्यारे शिवबाबा संसार की समस्त राजनीतिक राज्यधिकारी आत्माएँ सदा के लिए संतुष्ट हो जाए।
6. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माओं का बुद्धियोग एकाग्र होकर सदा के लिए प्यारे शिवबाबा से जुड़ जाए।
7. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ व्यर्थ से मुक्त हो सदा के लिए समर्थ बन जाए।
8. सर्व आत्माओं के पिता शिवबाबा संसार की समस्त धार्मिक आत्माओं का सदा के लिए उद्धार हो जाए।
9. प्यारे शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ अनेक जन्मों के विकर्मों के बोझ से मुक्त हो जाए।
10. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा टैन्शन-फ्री होकर हल्की व तरोताजा स्थिति में रहें।
11. शांति के सागर शिवबाबा संसार की समस्त भटकती हुई आत्माओं को सदा के लिए शांति का ठिकाना मिल जाए।
12. शिवबाबा संसार की सर्व आत्माओं में देवी-देवताओं जैसे श्रेष्ठाचारी स्वभाव-संस्कार सदा के लिए जागृत हो जाए।
13. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा के लिए शांत, शुद्ध, पवित्र, शीतल संस्कार वाली बन जाए।
14. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा सच्ची अविनाशी खुशी व मौज का अनुभव करती रहें।
15. सर्व के कल्याणकारी शिवबाबा संसार की समस्त विज्ञानी (वैज्ञानिक) आत्माओं का सदा के लिए कल्याण हो जाए।
16. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ विकारों की कट से मुक्त हो सदा के लिए सच्चा सोना बन जाए।
17. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माओं का आलस्य व अलबेलापन सदा के लिए समाप्त हो जाए।
18. ज्योति स्वरूप शिवबाबा संसार की समस्त आत्माओं की आत्मिक ज्योति सदा जगमगाती रहे।
19. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा के लिए सम्पूर्ण निर्विकारी, सम्पूर्ण सतोप्रधान बन जाए।
20. प्यारे शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा के लिए परमात्मा के सर्व खजानों की अधिकारी बन जाए।
21. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ हद की इच्छाओं से मुक्त हो सदा बेहद की स्थिति में रहें।
22. सुख के सागर शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा अतिन्द्रिय सुख के झूले में झूलती रहें।
23. ज्ञान के सागर शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ परमात्म पढ़ाई पढ़कर सदा के लिए अपना पूरा वर्सा ले लें।
24. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माओं की कर्मेन्द्रियाँ सदा के लिए शान्त, शुद्ध, शीतल, पवित्र, पावन हो जाए।
25. प्यार के सागर शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा परमात्म प्यार व शक्तियों की छात्रछाया में रहे।
26. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा के लिए मुक्ति-जीवनमुक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त कर लें।
27. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ सदा ईश्वरीय मर्यादाओं व नियमों का पूरा पालन करते रहें।
28. गुणों के सागर शिवबाबा संसार की समस्त आत्माओं में दैवीगुणों का तीव्रगति से संचार होता रहे।
29. प्यारे शिवबाबा संसार की समस्त गर्भ में पलने वाली मनुष्य आत्माओं का सदा के लिए कल्याण हो जाए।
30. शिवबाबा प्रकृति के पाँचों तत्वों सहित जगत की समस्त आत्माओं का सदा के लिए कल्याण हो जाए।
31. शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएं सदा के लिये सभी प्रकार के व्यसनों से मुक्त हो जाए।

मन्सा सेवा के लिए नोट : हर दिन के संकल्प को रोज 108 या 51, 21 बार लिखना जरूरी है तभी सफलता मिलेगी। लिखने के बाद चलते-फिरते कर्म-करते दिनभर उसी शुभ संकल्प में रहना है ताकि नकारात्मक संकल्प आने ही न पाएँ। यह अटेन्शन रखना है।

उदाहरण- मैं श्रेष्ठ आत्मा परमपिता परमात्मा की छत्रछाया के नीचे बैठकर यह शुभ संकल्प करती हूँ कि..
पवित्रता के सागर शिवबाबा प्रकृति के पांचों तत्वों सहित जगत की समस्त आत्माएँ सदा के लिए सतोप्रधान बन जाए।

परमपिता परमात्मा से सर्व संबंध

सोमवार को शिवबाबा से संबंध - माता-पिता और मैं उनका वारिस बच्चा।
मंगलवार को शिवबाबा से संबंध - परमशिक्षक और मैं उनका विद्यार्थी।
बुधवार को शिवबाबा से संबंध - परमसदगुरू और मैं उनका शिष्य।
सतगुरुवार को शिवबाबा से संबंध - सलोने साजन और मैं उनकी सजनी।
शुक्रवार को शिवबाबा से संबंध - बेटा शिवबाबा और मैं उनकी माँ।
शनिवार को शिवबाबा से संबंध - बेटी शिवबाबा और मैं उनकी माँ।

हर रविवार को परमपिता शिवबाबा से अलग-अलग संबंध जोड़ना है

पहले रविवार को शिवबाबा से संबंध - भाई शिवबाबा और मैं उनकी बहन।
दूसरे रविवार को शिवबाबा से संबंध - बहन शिवबाबा और मैं उनकी बहन।
तीसरे रविवार को शिवबाबा से संबंध - सखा (दोस्त) शिवबाबा और मैं उनकी सखी।
चौथे रविवार को शिवबाबा से संबंध - रूहानी सर्जन शिवबाबा और मैं उनकी मरीज।
पाँचवे रविवार को शिवबाबा से संबंध - धर्मराज शिवबाबा और मैं उनका अपराध बोध बच्चा।

परमात्मा शिवबाबा से संबंध जोड़ना

उदाहरण- सोमवार को शिवबाबा से संबंध माता-पिता और मैं उनका वारिस बच्चा।
मेरे माता पिता शिवबाबा संसार की समस्त आत्माएँ हद की इच्छाओं से मुक्त हो सदा बेहद की स्थिति में रहें।

- जिस दिनांक का जो शुभभावना का संकल्प और जिस दिन का परमात्मा से संबंध हो उसे ही लेना है। 24 घंटे तक एक ही संबंध और एक ही शुभभावना के संकल्प में रहना है।
- नुमाशाम का योग और अमृतवेला का योग उसी शुभभावना के संकल्प से लगाना है।
- अमृतवेले के बाद शुभभावना का संकल्प तारीख के अनुसार दूसरा लेना है।

नोट : यह होमवर्क सप्ताह में एक बार अपनी निमित्त टीचर बहन को दिखाकर उनसे साइन कराना है।

शुभभावना-शुभकामना के फायदे

- पावरफुल योग लगता है।
- नकारात्मकता समाप्त होकर सकारात्मकता आ जाती है।
- सकारात्मक वृत्ति से सकारात्मक वायुमण्डल बनता है।
- कर्म बंधंन समाप्त हो जाते हैं और जमा का खाता बढ़ता है।
- नजदीक की आत्माओं पर इस सेवा का बहुत जल्दी प्रभाव पड़ता है।
- संकल्प का खजाना और समय का खजाना जमा होता जाता है।